

24/02/2020

पत्रावली जेश डूरी | अखिलभा प्रार्थी उप.
 प्रार्थी की एक लटक बहम सुनी गयी। एवम् प्रार्थी
 कि शासनाधीन कृषि भूमि एवं विपरीतगण की शासनाधीन
 भूमि प्रार्थना-पत्र की रूप सार्व 03 मे वर्णित कृषि भूमि शायकीपार
 ही जो अखिलभाजित है की विपरीतगण को हियापत की जाती
 है की जब तक मूल वाद द्वारा विधिगत कानूनन राजस्व
 मण्डल के विपरीतगण माप व सीमाओं ठहर पाती कयंत
 अन्तिम डिब्बी की जानना दोषे तक विपरीतगण प्रार्थीगण
 के हिस्से तक किली उच्चार की दस्तनदारी, विक्रम न करे
 एवम् मोठे पर राजस्व रिपोर्ट अनुसार जीके की यथास्थिति
 बनाये दिये जात उच्चार से यह अन्तर्हि लिखे जाया हुआ वाद
 के विस्तारण तक जारी ही जाती है। पत्रावली किलाल
 सुधार होकर-पत्र से कम है। पत्रावली पुनः वाद के साथ ही।
 आदेश हुये -द्यायालय मे लुजाप्रा-या/

सहायक कलक्टर सलुम्बा
 बिलास-उमपुर

